AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

आठ कोर्सों की सेकंड च्वॉइस फिलिंग का परिणाम जारी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि की नए सत्र 2022-23 की स्नातक प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत शनिवार को आठ कोर्सों की सेकंड च्वॉइस फिलिंग का परिणाम जारी कर दिया गया है। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि बीकॉम ऑनर्स, बीकॉम एनईपी, बीएलएड (सिर्फ कॉलेजों के लिए), बीवीए-बीएफए, बीबीए, बीसीए, डीफार्मा व एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स का सेकंड च्वॉइस फिलिंग के बाद उपलब्ध सीटों के सापेक्ष परिणाम जारी किया गया है। यह परिणाम अभ्यर्थी की मेरिट व च्वॉइस के आधार पर किया गया है। यह अभ्यर्थी के लॉगिन पर उपलब्ध है। 18 अक्तूबर तक शुल्क जमा करना होगा।

पीजी का सीट अलॉटमेंट जारी : लविवि की परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत शनिवार को एमएससी केमिस्ट्री, आलिम, बीलिब व एमए-एमएससी फोरेंसिक साइंस का सीट अलॉटमेंट उपलब्ध सीटों के सापेक्ष जारी कर दिया गया है। प्रवेश समन्वयक ने बताया, अभ्यर्थी अपनी लॉगिन आईडी से सीट आवंटन देखकर 18 अक्तूबर तक फीस जमा कर दें। इसकी कट ऑफ विवि की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दी गई है।

बीबीएयू में पीजी प्रवेश रजिस्ट्रेशन 20 तक : बीबीएयू में पीजी कोर्सों में प्रवेश के लिए पंजीकरण की आखिरी तिथि 20 अक्तूबर तक बढ़ा दी गई है। विवि प्रशासन के अनुसार, अभ्यर्थी अपने सीयूईटी स्कोर के आधार पर अपने विषय में दाखिले के लिए रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। सभी आवेदकों को पोर्टल पर अपना कोर्स लॉक करना अनिवार्य है। अभ्यर्थी हेल्प लाइन नंबर 7705005844 पर संपर्क कर सकते हैं।

लविवि : अब जिलों में भी एथलेटिक्स के नोडल केंद्र

लखनऊ। लविवि क्रीड़ा परिषद के पदाधिकारियों ने शनिवार को विभिन्न खेलों के क्लब अध्यक्षों संग बैठक की जिसमें नए सत्र 2022-23 के खेल कैलेंडर के अनुसार सभी को खेलों का आयोजन करने का निर्देश दिया गया। बताया गया कि लखनऊ के साथ ही संबद्ध जिलों हरदोई, रायबरेली, सीतापुर व लखीमपुर खीरी में भी खेल गतिविधियों के लिए नोडल केंद्र और उपकेंद्र बनाए जाएं। बैठक में क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष प्रो. रूपेश कुमार, सचिव डॉ. राहुल पांडेय, लेडीज क्लब की अध्यक्ष डॉ. ऋचा पांडेय, बॉक्सिंग क्लब के अध्यक्ष डॉ. आशीष अवस्थी आदि उपस्थित थे। (माई सिटी रिपोर्टर)

बिना एंटी रैगिंग फॉर्म भरे प्रवेश नहीं : महिला डिग्री कॉलेज प्रशासन ने निर्देश जारी किया है कि बिना एंटी रैगिंग फॉर्म भरे प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं मानी जाएगी। प्राचार्य ने निर्देश जारी किए। (माई सिटी रिपोर्टर)

नेशनल पीजी में नहीं होगी फ्रेशर पार्टी

लखनऊ। प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि नेशनल पीजी कॉलेज के कैंपस के बाहर किसी तरह की फ्रेशर पार्टी का आयोजन नहीं किया जा सकेगा। न ही इसके लिए किसी तरह का चंदा विद्यार्थियों से लिया जाएगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

स्मार्ट एग्रो इकोसिस्टम की आवश्यकता

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। इंडियन बॉटैनिकल सोसायटी और लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय 45वीं अखिल भारतीय वनस्पति सम्मेलन के दूसरे दिन शनिवार को 'जलवायु परिवर्तन : जैव विविधता, अनुकूलन और शमन' पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रो. आरपी सिंह ने पारिस्थितिक और आर्थिक लाभ के लिए स्मार्ट एग्रो इको सिस्टम डिजाइन पर जोर दिया। अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो. एस रामा राव, प्रो. मनोहराचार्य, प्रो. एसएम रेड्डी, प्रो. मनोज प्रसाद व डॉ. वंदना प्रसाद ने अपने विचार रखे। दूसरे चरण में विभिन्न राज्यों से आए शोधकर्ताओं ने वनस्पति विज्ञान क्षेत्र से संबंधित अपनी रिसर्च की मौखिक और पोस्टर प्रस्तुति दी।

इंडियन बॉटैनिकल सोसायटी की कार्यशाला का दूसरा दिन

45वीं अखिल भारतीय वनस्पति सम्मेलन में कार्यशाला को संबोधित करतीं डॉ. वंदना प्रसाद। -संवाद

सेव द नेशन, सेव द बैंकिंग पर चर्चा

लखनऊ। लविवि के वाणिज्य विभाग की ओर से स्व. प्रो. आरके त्रिपाठी की स्मृति में शनिवार को प्रो. आरके त्रिपाठी मेमोरियल स्पेशल लेक्चर सीरीज की शुरुआत हुई। इसके अंतर्गत प्रत्येक सप्ताह विभिन्न मुद्दों पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। पहला लेक्चर में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्रो. फुरकान कमर ने 'सेव द नेशन, सेव द बैंकिंग' के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। उन्होंने वर्तमान परिदृश्य में बैंकिंग क्षेत्र में होने वाले बदलाव व अर्थव्यवस्था पर उनके प्रभाव के बारे में जानकारी दी। विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार, डॉ. गीतिका टंडन कपूर, डॉ. श्रुति कीर्ति कौशल आदि मौजूद रहे।

लविवि वीसी बने सतत विकास योजना के अध्यक्ष

माई सिटी रिपोर्टर

प्रदेश सरकार को सतत विकास योजना की देगी रिपोर्ट

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को प्रदेश सरकार की ओर से अधिकार प्राप्त सतत विकास योजना (सस्टेनेबल डवलपमेंट प्लानिंग) समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. एमके अग्रवाल को संयोजक तथा पदेन सदस्य के रूप में सचिव योजना विभाग नामित किया गया है। यह समिति सतत विकास योजना रिपोर्ट का दूसरा अंक राज्य सरकार को सौंपेगी।

समिति प्रदेश सरकार के सहयोग से एक सतत विकास सम्मेलन का आयोजन करेगी। यह लगातार दूसरा साल है कि जब लविवि को राज्य के लिए यह रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है। पहला अंक गत वर्ष 2021 में प्रस्तुत किया गया था। नीति आयोग की ओर से किए गए अध्ययन के अनुसार, उत्तर प्रदेश ने सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सरकार द्वारा विकसित सूचकांक में लगातार प्रगति की है। इसके लिए नीति आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश को परफॉर्मर राज्य घोषित किया गया है।

लविवि : पीएचडी में कई प्रदेशों के युवाओं ने दिखाई रुचि

नैक ए प्लस प्लस ग्रेडिंग के बाद दिखा बदलाव

लखनऊ। लविवि के नैक में ए प्लस प्लस ग्रेडिंग लाने के बाद विभिन्न क्षेत्रों के साथ प्रवेश प्रक्रिया में भी असर दिख रहा है। सत्र 2021-22 की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में उत्तर प्रदेश के साथ कई अन्य प्रदेशों के युवाओं ने भी रुचि दिखाई है। वे न सिर्फप्रवेश परीक्षा में शामिल हुए।

समाजशास्त्र विभाग के हाल में हुए प्रवेश इंटरव्यू में महाराष्ट्र, कश्मीर, दिल्ली, जेएनयू, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार और मध्य प्रदेश के उम्मीदवारों ने शिरकत की। कॉमर्स, अप्लाइड इकोनॉमिक्स, एमबीए, फिजिक्स और केमिस्ट्री में भी कई विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने शिरकत की है। इसी तरह पार्ट टाइम पीएचडी में भी पिछले साल की अपेक्षा नौकरी पेशा लोगों ने ज्यादा रुचि दिखाई है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों से पीएचडी उम्मीदवारों की संख्या में यह वृद्धि विवि की बेहतर आधारभूत संरचना और उपकरण सुविधाओं, अनुसंधान की गुणवत्ता को दिखाता है। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 5

यूजी में 11 विषयों का सीट आवंटन तय

■ एनबीटी, लखनऊ : लखनऊ यूनिवर्सिटी में केंद्रीकृत स्नातक दाखिला के तहत 11 पाठ्यक्रमों की बची हुई सीटों पर शनिवार को दूसरी चॉइस फिलिंग का सीट आवंटन तय कर दिया गया। इन विषयों में बीबीए, बीबीए (टूरिज्म), बीकॉम (ऑनर्स), बीकैब, बीकॉम (एनईपी), बीएफए, एलएलबी (इंटिग्रेटेड 5 साल), बीजेएमसी, बीएलएईडी, बीएससी (एग्रीकल्चर) और डी-फार्मा शामिल हैं। ऐडमिशन को-ऑर्डिनेटर पंकज माथुर ने बताया कि ये अभ्यर्थी सीट अलॉटमेंट-कंफर्मेशन फीस 18 अक्टूबर तक जमा कर दें।

पीजी के चार विषयों में मेरिट लिस्ट जारी

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने शनिवार को पीजी दाखिले के लिए चार पाठ्यक्रमों की सीट अलॉटमेंट मेरिट जारी कर दी है। चयनित अभ्यर्थी अपने लॉगिन आईडी से विवि की वेबसाइट पर रविवार दोपहर 12 बजे के बाद सीट अलॉटमेंट देख सकेंगे। ऐडमिशन को-ऑर्डिनेटर पंकज माथुर ने बताया कि जिनको सीट आवंटित हो गई है, उन अभ्यर्थियों को 16 से 18 अक्टूबर तक फीस जमा करने के निर्देश दिए गए हैं।

समिति के अध्यक्ष बने एलयू कुलपति

■ एनबीटी, लखनऊ : राज्य सरकार की ओर से लखनऊ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को सतत विकास योजना समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। एलयू प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि समिति को राज्य सरकार के सहयोग से एक सतत विकास सम्मेलन कराने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। लगातार दूसरा साल है जब एलयू को राज्य के लिए यह रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है।

HINDUSTAN PAGE 6

स्नातक के 11 कोर्स की दूसरी मेरिट जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक प्रवेश प्रक्रिया के अन्तर्गत 11 कोर्स में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय और महाविद्यालय की बची हुई सीटों पर सीट आवंटन की दूसरी सूची जारी कर दी है।

बीबीए, बीबीए टूरिज्म, बीकॉम आनर्स, बीसीए, बीएफए, एलएलबी पांच वर्षीय, बीजेएमसी, बीएससी कृषि एवं डीफार्मा का दूसरा सीट आवंटन एलयू की वेबसाइट पर है। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने कहा कि जिन अभ्यर्थियों को महाविद्यालय में सीट आवंटित हुई है वे तभी शुल्क जमा करें उस कॉलेज में प्रवेश लेने के इच्छुक हों।

इन विषयों की मेरिट आज: एमएससी केमेस्ट्री, आलिम, बैचलर इन लाइब्रेरी एंड इन्फार्मेशन साइंस, एमए-एमएससी फोरेंसिक साइंस की मेरिट 12 बजे के बाद वेबसाइट पर जारी होगी।

एलयू कुलपति बने विकास योजना समिति अध्यक्ष

लखनऊ। एलयू के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय को उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा अधिकार प्राप्त सतत विकास योजना (सस्टेनेबल डेवलपमेंट प्लानिंग) समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। एलयू के अर्थशास्त्र विभाग से प्रो एमके अग्रवाल को समिति का संयोजक और पदेन सदस्य के रूप में नामित किया है।

i-NEXT PAGE 2, 4

यूजी के 8 कोर्सों में दूसरा सीट आवंटन

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने सीट आवंटन के रिजल्ट जारी किए

LUCKNOW(15 OCT): लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक के आठ पाठ्यक्रमों की आनलाइन कार्डसलिंग के अंतर्गत लिए गए विकल्प के बाद शनिवार को सीट आवंटन के परिणाम जारी कर दिए. इनमें बीकाम आनर्स, बीकाम एनईपी, बीएलएड (कालेजों के लिए), वीवीए/बीएफए, बीबीए, बीसीए, डीफार्मा और एलएलबी (इंटीग्रेटेड पांच वर्षीय) कोर्स शामिल हैं.

18 तक जमा करें फीस

प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि इन कोर्सों में दूसरी च्वाइस फिलिंग के लिए 12 अक्टूबर तक मौका दिया गया था. आनलाइन काउंसिलिंग के तहत अभ्यर्थियों से लिए गए विकल्प और मेरिट के आधार पर सीट आवंटन के परिणाम उपलब्ध सीटों के सापेक्ष लागिन पर उपलब्ध करा दिए गए हैं. अभ्यर्थी पूर्व में दिए गए लागिन का प्रयोग कर आपना सीट आवंटन देख सकते हैं. वहां इसकी पूरी डिटेल मौजूद है.

CONCEPT PIC

बीएससी जूलाजी की कक्षाएं कल से

लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएससी जूलाजी प्रथम और तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं 17 अक्टूबर से शुरू होंगी. विभाग के हेड प्रोफेसर एम सेराजुद्दीन ने गुरुवार को इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया. उन्होंने बताया कि कक्षाएं सुबह 7.30 बजे से होंगी. सभी छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को समय सारिणी भेज दी गई है.

एलयू वीसी बने सतत विकास योजना समिति के अध्यक्ष

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने सतत विकास योजना (सस्टेनेबल डेवलपमेंट प्लानिंग) समिति का अध्यक्ष बनाया गया है. विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के हेड प्रो. एमके अग्रवाल को इस समिति का संयोजक एवं पदेन सदस्य के रूप में योजना विभाग के सचिव को पदेन सदस्य नामित किया है. विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विशेष रूप से गठित यह समिति सतत विकास योजना रिपोर्ट का दूसरा अंक राज्य सरकार को सौंपेगी. इसके साथ ही समिति को उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के सहयोग से एक सतत विकास सम्मेलन आयोजित कराने का दायित्व भी सौंपा गया है. उन्होंने बताया कि समिति को उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के सहयोग से एक सतत विकास सम्मेलन आयोजित कराने का दायित्व भी सौंपा गया है. उल्लेखनीय है कि यह लगातार दूसरा वर्ष है जब लखनऊ विश्वविद्यालय को राज्य के लिए यह रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है. रिपोर्ट का प्रथम अंक विगत वर्ष 2021 में प्रस्तुत किया गया था. नीति आयोग द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार उत्तर प्रदेश ने सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सरकार द्वारा की गई कार्रवाइयों को मापने के लिए, विकसित सूचकांक में लगातार प्रगति की है, इसीलिए नीति आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश को परफार्मर राज्य घोषित किया गया है. सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 193 देशों द्वारा 17 लक्ष्यों जिसमें गरीबी और भूख को समाप्त करने, स्वस्थ जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वच्छ पेयजल, आधुनिक ऊर्जा को बढ़ावा देने के अनूठे अवसरों के साथ एक अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता है.

समावेशी और सतत आर्थिक विकास, उत्पादक रोजगार, लचीला बुनियादी ढांचे का निर्माण, स्थायी औद्योगीकरण और नवाचार को बढ़ावा देना, असमानता को कम करना, स्मार्ट शहर बनाना, स्थायी खपत और उत्पादन सुनिश्चित करना, पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना और बहाल करना, शांति और न्याय को बढ़ावा देना शामिल है.

भारत 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए हस्ताक्षरकर्ता देशों में शामिल होने के नाते इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। एसडीजी में सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय आयाम व्यापक रूप से शामिल हैं तथा इनसे मानव कल्याण की अधिक उपलब्धि में योगदान की उम्मीद की जाती है।

कर्मचारियों के लिए योग का विशेष शिविर

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उत्तर रक्षताचार्य, मोटापा, अर्थराइटिस जैसे रोग से बचाव एवं प्रबंधन के लिए द्वितीय चैप्पस में विशेष योग शिविर की शुरुआत की जाएगी. योग एवं अल्टरनेटिव मेडिसिन संकाय में इसका संचालन 26 अक्टूबर से आठ नंबर तक होगा. पैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के कोआर्डिनेटर डा. अमरजीत यादव ने बताया कि शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए योग का यह विशेष शिविर रोजाना सुबह आठ से 10 बजे तक चलेगा. इसमें योग के विशेषज्ञ आधुनिक जीवन शैली जनित रोग के बचाव और प्रबंधन के तरीके बताएंगे.

234 शोधार्थियों ने प्रस्तुत किए शोध पत्र

LUCKNOW : इंडियन बाटनिकल सोसायटी एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे तीन दिवसीय सम्मेलन में शनिवार को शोध पत्रों की प्रस्तुति रही. विभिन्न राज्यों से आए 234 शोधार्थियों ने मौखिक और पोस्टर प्रजेंटेशन दिया. 'जलवायु परिवर्तन : जैव विविधता, अनुकूलन और शमन' पर कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. एस. रामा राव तथा प्रो. आरपी सिंह के 'मेमोरियल लेक्चर' के साथ हुई. बीबीएयू के प्रो. आरपी सिंह ने पारिस्थितिक और आर्थिक लाभ के लिए स्मार्ट एग्रोइकोसिस्टम डिजाइन करने पर जोर दिया. इसके साथ ही समिति को उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के सहयोग से एक सतत विकास सम्मेलन आयोजित कराने का दायित्व भी सौंपा गया है. उल्लेखनीय है कि यह लगातार दूसरा वर्ष है जब लखनऊ विश्वविद्यालय को राज्य के लिए यह रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है. रिपोर्ट का प्रथम अंक विगत वर्ष 2021 में प्रस्तुत किया गया था. नीति आयोग द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार उत्तर प्रदेश ने सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सरकार द्वारा की गई कार्रवाइयों को मापने के लिए, विकसित सूचकांक में लगातार प्रगति की है, इसीलिए नीति आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश को परफार्मर राज्य घोषित किया गया है. सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 193 देशों द्वारा 17 लक्ष्यों जिसमें गरीबी और भूख को समाप्त करने, स्वस्थ जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वच्छ पेयजल, आधुनिक ऊर्जा को बढ़ावा देने के अनूठे अवसरों के साथ एक अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता है.

समावेशी और सतत आर्थिक विकास, उत्पादक रोजगार, लचीला बुनियादी ढांचे का निर्माण, स्थायी औद्योगीकरण और नवाचार को बढ़ावा देना, असमानता को कम करना, स्मार्ट शहर बनाना, स्थायी खपत और उत्पादन सुनिश्चित करना, पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना और बहाल करना, शांति और न्याय को बढ़ावा देना शामिल है.

भारत 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए हस्ताक्षरकर्ता देशों में शामिल होने के नाते इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। एसडीजी में सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय आयाम व्यापक रूप से शामिल हैं तथा इनसे मानव कल्याण की अधिक उपलब्धि में योगदान की उम्मीद की जाती है।

बैंकिंग क्षेत्र में होने वाले बदलाव की दी जानकारी

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग ने शनिवार को स्व. प्रो. आरके त्रिपाठी की स्मृति में प्रो. आरके त्रिपाठी मेमोरियल स्पेशल लेक्चर सीरीज की शुरुआत विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार ने किया. पहला लेक्चर जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्रबंध अध्ययन विभाग के प्रो. फुरकान कामर ने सेव द नेशन, सेव द बैंकिंग सेक्टर शीर्षक पर दिया. इस लेक्चर में विभाग के सदस्यों और छात्रों सहित वर्तमान परिदृश्य में बैंकिग क्षेत्र में होने वाले बदलाव एवं अर्थव्यवस्था पर उनके प्रभाव के बारे में गहन अंतर्दृष्टि हासिल की.

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : स्नातक के 11 कोर्सों में दूसरा सीट आवंटन जारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने केंद्रीयकृत स्नातक प्रवेश के अंतर्गत कैंपस एवं महाविद्यालयों की बची हुई सीटों पर दूसरी च्वाइस फिलिंग का सीट आवंटन शनिवार को जारी कर दिया। इसमें बीबीए, बीबीए टूरिज्म, बीकाम आनर्स, बीकाम एनईपी, बीसीए, बीएफए, एलएलबी (इंटीग्रेटेड पांच वर्षीय), बीजेएमसी, बीएलएड, बीएससी एग्रीकल्चर और डीफार्मा शामिल हैं।

प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि अभ्यर्थियों से लिए गए विकल्प और मेरिट के आधार पर सीट आवंटन के परिणाम लागिन पर उपलब्ध हैं। अभ्यर्थी पूर्व लागिन से सीट आवंटन देख सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिन अभ्यर्थियों को सीट मिल गई है, उन्हें 18 अक्टूबर तक फीस जमा करने का मौका दिया गया है। वहीं, जिन अभ्यर्थियों को कालेज में सीट आवंटित हुई हैं, वे तभी सीट कंफर्मेशन फीस जमा करें जब उस कालेज में प्रवेश लेना चाहते हैं। दूसरी ओर विश्वविद्यालय ने बीपीएड की प्रोविजनल पूरी मेरिट सूची भी वेबसाइट पर जारी कर दी है।

234 शोधार्थियों ने प्रस्तुत किए शोध पत्र

जासं, लखनऊ : इंडियन बाटनिकल सोसायटी एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे तीन दिवसीय सम्मेलन में शनिवार को शोध पत्रों की प्रस्तुति रही। विभिन्न राज्यों से आए 234 शोधार्थियों ने मौखिक और पोस्टर प्रजेंटेशन दिया। 'जलवायु परिवर्तन : जैव विविधता, अनुकूलन और शमन' पर कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. एस. रामा राव तथा प्रो. आरपी सिंह के 'मेमोरियल लेक्चर' के साथ हुई। बीबीएयू के प्रो. आरपी सिंह ने पारिस्थितिक और आर्थिक लाभ के लिए स्मार्ट एग्रोइकोसिस्टम डिजाइन करने पर जोर देते हुए अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। वैज्ञानिक सत्र में वक्ता प्रो. मनोहराचार्य, प्रो. एसएम रेड्डी, प्रो. मनोज प्रसाद एवं डा. वंदना प्रसाद ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर बाटनिकल सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. एसआर यादव, मीडिया प्रभारी प्रो. अमृतेश चंद्र शुक्ल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

RASHRIAYA SAHARA PAGE 5

नीति आयोग : यूपी बेहतर परफार्मर

सरकारी कार्रवाई मापने के लिए विकसित सूचकांक में लगातार की है प्रगति

लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय बने सतत विकास योजना समिति के अध्यक्ष

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा अधिकार प्राप्त सतत विकास योजना (सस्टेनेवल डेवलपमेंट प्लानिंग) समिति का अध्यक्ष वनाया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. एम.के.अग्रवाल को उक्त समिति का संयोजक तथा समिति के पदेन सदस्य के रूप में सचिव, योजना विभाग के सचिव को पदेन सदस्य नामित किया गया है।

विशेष रूप से गठित यह समिति सतत विकास योजना रिपोर्ट का दूसरा अंक राज्य सरकार को सौंपेगी । इसके साथ ही समिति को उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के सहयोग से एक सतत विकास सम्मेलन आयोजित कराने का दायित्व भी सौंपा गया है। उल्लेखनीय है कि यह लगातार दूसरा वर्ष है जव लखनऊ विश्वविद्यालय को राज्य के लिए यह रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है। रिपोर्ट का प्रथम अंक विगत वर्ष 2021 में प्रस्तुत किया गया था।

नीति आयोग द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार उत्तर प्रदेश ने सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सरकार द्वारा की गई कार्रवाइयों को मापने के लिए विकसित सूचकांक में लगातार प्रगति की है, इसीलिए नीति आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश को परफारमर राज्य घोषित किया गया है। सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 193 देशों द्वारा 17 लक्ष्यों जिसमें गरीबी और भूख को समाप्त करने, स्वस्थ जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वच्छ पेयजल, आधुनिक ऊर्जा को वढ़ावा देने के अनूठे अवसरों के साथ एक अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय प्रतिवद्धता है।

समावेशी और सतत आर्थिक विकास, उत्पादक रोजगार, लचीला बुनियादी ढांचे का निर्माण, स्थायी औद्योगीकरण और नवाचार को वढ़ावा देना, असमानता को कम करना, स्मार्ट शहर वनाना, स्थायी खपत और उत्पादन सुनिश्चित करना, पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना और वहाल करना, शांति और न्याय को वढ़ावा देना शामिल है।

भारत 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए हस्ताक्षरकर्ता देशों में शामिल होने के नाते इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दृढ़ता से प्रतिवद्ध है। एसडीजी में सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय आयाम व्यापक रूप से शामिल हैं तथा इनसे मानव कल्याण की अधिक उपलब्धि में योगदान की उम्मीद की जाती है।

लविवि : पीएचडी का साक्षात्कार दे रहे कई राज्यों के छात्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को नैक ए डबल प्लस ग्रेड मिलने के वाद वाहरी राज्यों के विद्यार्थियों की रुचि वढ़ी है। सत्र 2021-22 की जारी पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में लखनऊ उत्तर प्रदेश के साथ ही महाराष्ट्र, कश्मीर, दिल्ली, वंगाल समेत अन्य राज्यों से अभ्यर्थी भी साक्षात्कार देने आ रहे हैं। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने वताया कि समाजशास्त्र विभाग में महाराष्ट्र, कश्मीर, दिल्ली, उत्तराखंड, पश्चिम वंगाल, विहार और मध्य प्रदेश के उम्मीदवार सोशियोलॉजी, कॉमर्स, एप्लाइड इकोनॉमिक्स, एमवीए, फिजिक्स और केमिस्ट्री पीएचडी के साक्षात्कार में उपस्थित हुए। इसी प्रकार वनारस हिंदू विश्वविद्यालय के अच्छे छात्र भी पीएचडी साक्षात्कार में शामिल हुए।

VoL PAGE 5

कुलपति बने सतत विकास योजना समिति के अध्यक्ष

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

● अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. एमके अग्रवाल बने संयोजक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय को प्रदेश सरकार ने अधिकार प्राप्त सतत विकास योजना (सस्टेनेबल डेवलपमेंट प्लानिंग) समिति का अध्यक्ष बनाया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग से प्रो. एमके अग्रवाल को इस समिति का संयोजक साथ ही योजना विभाग के सचिव का पदेन सदस्य नामित किया है। विशेष रूप से गठित यह समिति सतत विकास योजना रिपोर्ट का दूसरा अंक राज्य सरकार को सौंपेगी। इसके साथ ही समिति को प्रदेश सरकार के सहयोग से एक सतत विकास सम्मेलन आयोजित कराने का दायित्व भी सौंपा गया है। बता दें कि यह लगातार दूसरा वर्ष है जब लखनऊ विश्वविद्यालय को राज्य के लिए यह रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है। रिपोर्ट का प्रथम अंक विगत वर्ष 2021 में प्रस्तुत किया गया था। नीति आयोग द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार उत्तर प्रदेश ने सतत विकास लक्ष्यों को पाने की दिशा में सरकार द्वारा की गई कार्रवाईयों को मापने के लिए, नीति आयोग द्वारा विकसित सूचकांक में, अपने लगातार प्रगति की है और इसीलिए नीति आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश को परफार्मर राज्य घोषित किया गया है। भारत 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को पाने के लिए हस्ताक्षरकर्ता देशों मे शामिल होने के नाते, इन लक्ष्यों को पाने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। एसडीजी मे सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय आयाम व्यापक रूप से शामिल हैं तथा इनसे मानव कल्याण की अधिक उपलब्धि में योगदान की उम्मीद की जाती है। नीति आयोग को देश और सभी राज्यों में एसडीजी के कार्यान्वयन की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है।

पीएचडी परीक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय पीएचडी में प्रवेश उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों के उम्मीदवारों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो पीएचडी प्रवेश के साथ-साथ साक्षात्कार में भी उपस्थित हुए हैं। समाजशास्त्र विभाग के समन्वयक प्रो. डीआर साहू ने बताया कि वर्तमान सत्र में महाराष्ट्र (मुंबई), कश्मीर, दिल्ली (दिल्ली विवि, जवाहरलाल नेहरू विवि), उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार और मध्य प्रदेश के उम्मीदवार विभिन्न विभागों में पीएचडी साक्षात्कार में उपस्थित हुए। साथ ही सोशियोलॉजी, कॉमर्स, एप्लाइड इकोनॉमिक्स, एमबीए, फिजिक्स और केमिस्ट्री में भी आये। इसके अलावा वनारस हिंदू विश्वविद्यालय के अच्छे छात्र भी पीएचडी साक्षात्कार में शामिल हुए। यह देखा गया कि इन छात्रों ने लखनऊ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में पीएचडी करने में रुचि दिखाई क्योंकि हाल ही में विश्वविद्यालय को नैक से ए प्लस प्लस से मान्यता मिली है।